समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 24 August 2026

अभिजीत दिपके ने महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री दादा भुसे के इस्तीफे की मांग की, जिला परिषद स्कूलों की बदहाली पर सरकार को घेरा

Sanket Morankar

Published on 20 Aug 2026

जिला परिषद स्कूलों की बदहाल स्थिति और विद्यार्थियों को हो रही परेशानियों को लेकर **कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के अध्यक्ष अभिजीत दिपके** ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राज्य के शिक्षा मंत्री **दादा भुसे** के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि यदि स्कूलों की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है तो शिक्षा मंत्री को अपने पद पर बने रहने का अधिकार नहीं होना चाहिए।

अभिजीत दिपके ने हाल ही में अपना आंदोलन **जिला परिषद स्कूलों** की समस्याओं की ओर केंद्रित किया है। हिंगोली जिले की एक स्कूल का दौरा करने के बाद उन्होंने स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर सरकार से जवाब मांगा।

बच्चों को खराब रास्तों से स्कूल भेजने की दी चुनौती

अभिजीत दिपके ने कहा कि राज्य के मंत्री, विधायक और सांसद एक दिन अपने बच्चों को खराब सड़कों से पैदल स्कूल भेजें, तब उन्हें विद्यार्थियों की वास्तविक परेशानियों का अंदाजा होगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब आंदोलन की घोषणा की गई तो प्रशासन सक्रिय हुआ, लेकिन इससे पहले विद्यार्थियों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने खराब सड़कों और अन्य समस्याओं के कारण कुछ आदिवासी बच्चों की मौत का भी उल्लेख किया।

स्कूलों की स्थिति पर उठाए सवाल

दिपके ने कहा कि कई सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के बैठने के लिए पर्याप्त **बेंच तक उपलब्ध नहीं है**। उन्होंने स्कूल भवनों की स्थिति और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी पर सवाल उठाते हुए सरकार से पूछा कि इतने वर्षों में स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिए क्या किया गया।

उन्होंने कहा कि यदि स्कूलों की स्थिति इसी तरह बनी रही तो आने वाले समय में **गांव-गांव मे आंदोलन खड़े किए जाएंगे।**

शिक्षा मंत्री दादा भुसे के इस्तीफे की मांग

अभिजीत दिपके ने महाराष्ट्र के शिक्षा मंत्री **दादा भुसे** पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री चाहे कोई भी हो, उसे अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा मंत्री सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति समझना चाहते हैं तो उन्हें अपने बच्चों को भी सरकारी स्कूलों में भेजना चाहिए।

स्कूल की स्थिति को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि जिम्मेदार मंत्री को पद पर बने रहने के बजाय **इस्तीफा देना चाहिए।**

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की बात

दिपके ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री **देवेद्रं फडणवीस** उन्हें बुलाते हैं तो वह स्कूलों और विद्यार्थियों से जुड़े इन मुद्दों पर उनसे मुलाकात करेंगे।

उन्होंने कहा कि गांव के लोगों को एकजुट होकर अपनी समस्याओं की आवाज उठानी चाहिए और इस आवाज को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूलों में सांप निकलने और विद्यार्थियों की सुरक्षा से जुड़े मामलों का भी उल्लेख किया।

शिक्षकों और स्कूल प्रशासन से जुड़े मुद्दों पर भी आंदोलन

इससे पहले अभिजीत दिपके ने हिंगोली जिले की एक जिला परिषद स्कूल का दौरा किया था। वहां उन्होंने स्कूल की स्थिति का जायजा लिया और मुख्याध्यापक के तबादले की मांग की थी।

उन्होंने कहा था कि यदि संबंधित कार्रवाई नहीं की गई तो वह **अनशन** पर बैठेंगे। इसके बाद से जिला परिषद स्कूलों की समस्याओं को लेकर उनका आंदोलन और अधिक मुखर हुआ है।

NEET पेपर लीक जांच पर भी उठाए सवाल

अभिजीत दिपके ने **NEET पेपर लीक मामले** की सीबीआई जांच को लेकर भी असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह जांच की मौजूदा दिशा से संतुष्ट नहीं हैं।

उनका आरोप है कि जांच में केवल कुछ निचले स्तर के लोगों पर कार्रवाई करके मामले को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि बड़े अधिकारियों की कथित संलिप्तता के बिना इतना बड़ा पेपर लीक कैसे संभव हो सकता है।

विद्यार्थियों के मुद्दों पर आंदोलन जारी रखने का दावा

अभिजीत दिपके ने कहा कि उनका फिलहाल राजनीति में प्रवेश करने का विचार नहीं है, लेकिन विद्यार्थियों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर उनका संघर्ष जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों की स्थिति में सुधार, विद्यार्थियों की सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता जैसे मुद्दों को लेकर वह गांव-गांव तक आवाज उठाएंगे।

CJP अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने महाराष्ट्र की जिला परिषद स्कूलों की स्थिति को लेकर शिक्षा मंत्री दादा भुसे के इस्तीफे की मांग कर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने स्कूलों में बेंच, सड़क, सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दिपके ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की इच्छा जताई है और कहा है कि स्कूलों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

नोट : दादा भुसे के इस्तीफे और अन्य आरोपों से जुड़े दावे अभिजीत दिपके के बयानों के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं; इन्हें स्वतंत्र रूप से सिद्ध तथ्य के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.